सत्यमेव जयते

On the occasion of the Republic Day

The President of Bharat

requests the pleasure of the company of

Dr. Bharat Vatvani

to

'At-Home' Reception

at Rashtrapati Bhavan, New Delhi

on Sunday, January 26, 2025 at 1600 hrs.

R.S.V.P. : 23012960, 23018345, 23015321 Extension 4229, 4479
e-mail : invitation@rb.nic.in

Dress : Formal/Winter Ceremonial Dress

गणतन्त्र दिवस २०२५
REPUBLIC DAY 2025

On the occasion of 76th Republic Day of Bharat

At Home Reception
Rashtrapati Bhavan

26 January 2025

BAMO REUNION AFTER 2 DECADES

CELEBRATING 13th ANNIVERSARY

ପ୍ରମେୟ

THE PRAMEYA

PRINTED AT BHUBANESWAR SAMBALPUR PANIKOILI JEYPORE
RNI REGD NO: ODIODI/2011/37619 - POSTAL REGD NO: BN/208/23-25
ବର୍ଷ ୧୪ । ସଂଖ୍ୟା ୨୮୯ । ଜୟପୁର
୧୯ ଫେବୃଆରୀ ୨୦୨୫ । ବୁଧବାର

18 PAGES I ₹7.00
VOLUME 14 | ISSUE 289 | JEYPORE
19 FEBRUARY 2025 | WEDNESDAY

www.prameya.com · prameyaodia · prameyaodia · @PrameyaOdia

ମାନସିକ ଭାରସାମ୍ୟ ହରାଇ ନିଖୋଜ ଥିଲେ

୧୫ ବର୍ଷ ପରେ ଘରକୁ ଫେରିଲେ ବାମଦେବ

➡ମୁମ୍ବାଇର ଦାଦର ଷ୍ଟେସନରେ ଅସହାୟ ଅବସ୍ଥାରେ ପଡ଼ିଥିଲେ, ଜୀବନ ବଞ୍ଚାଇଲା ଶ୍ରଦ୍ଧା ଫାଉଣ୍ଡେସନ୍

ଟିକିରି,୧୮।୨(ଆପ୍ର): ଦୀର୍ଘ ୧୫ ବର୍ଷ ପରେ ଘରକୁ ଫେରିଛନ୍ତି କାଶୀପୁର କଲୋନିସାହିର ବାମଦେବ ନାୟକ। ମାନସିକ ଭାରସାମ୍ୟ ହରାଇ କେଉଁଆଡ଼େ ଚାଲିଯାଇଥିଲେ। ମୁମ୍ବାଇର 'ଶ୍ରଦ୍ଧା ଫାଉଣ୍ଡେସନ୍', କାଶୀପୁର ସାମାଜିକ କର୍ମୀ ସୁନୀଲ ଦାସ, ଫଟୋଗ୍ରାଫର ସରୋଜ କୁମାର ଏବଂ ସାମ୍ବାଦିକ ଟୁଲିଆ ମଣ୍ଡଳଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ବାମଦେବ ତାଙ୍କ ନିଜ ଘରେ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ହଜିଲା ପୁଅକୁ ପାଇବା ପରେ ପରିବାରରେ ଖୁସି ଖେଳିଯାଇଛି।

ବାପାମାଆଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ପରେ ବାମଦେବ ଏକୁଟିଆ ହୋଇଯାଇଥିଲେ। ଭାଇ ସଦା ଏବଂ ରଞ୍ଜନ ତାଙ୍କୁ ପୁଅ ଭଳିଆ ପାଳିଥିଲେ। ମାନସିକ ସନ୍ତୁଳନ ହରାଇବା ପରେ ୨୦୧୦ ମସିହାରେ ବାମଦେବ ଘରୁ କେଉଁଆଡ଼େ ଚାଲିଯାଇଥିଲେ। ପରିବାର ଏବଂ ସମ୍ପର୍କୀୟ ଚାରିଆଡ଼େ ଖୋଜାଖୋଜି କରି ନିରାଶ ହୋଇଥିଲେ। ସନ୍ଧାନ ନମିଳିବାରୁ ସମସ୍ତେ ଆଶା ଛାଡ଼ିଦେଇଥିଲେ। କୌଣସି ପ୍ରକାରେ ପହଞ୍ଚିଥିଲେ ମୁମ୍ବାଇରେ। ମୁମ୍ବାଇର ଶ୍ରଦ୍ଧା ଫାଉଣ୍ଡେସନ୍‌ର କର୍ମୀଙ୍କ ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ, ୨୦୧୯ ମସିହାରେ ଦାଦର ଷ୍ଟେସନ ପାଖରେ ବାମଦେବ ଦୟନୀୟ ଭାବେ ପଡ଼ିରହିଥିଲେ। ତାଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇ ମନସ୍ତତ୍ତ୍ୱବିତ ଡାକ୍ତର ଭରତ ଭଟୱାନୀଙ୍କୁ ଦେଖାଯାଇଥିଲା। ଚିକିତ୍ସା ଜାରି ରହିଥିଲେ ବି ସେ ୫ ବର୍ଷ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ନିଜ ସମ୍ପର୍କରେ କିଛି କହିପାରିନଥିଲେ। ଗତ ଜାନୁଆରୀରେ କାଶୀପୁର ରଥଯାତ୍ରା, ହରିଜନପଡ଼ା ସ୍କୁଲ ଏବଂ ସୁନାବେଢ଼ା ବବାବଦରେ କହିଥିଲେ। ସାମାଜିକ କର୍ମୀ ଶ୍ରୀ ଦାସ, ଫଟୋଗ୍ରାଫର ସରୋଜଙ୍କୁ ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ଯୋଗାଯୋଗ କରିଥିଲେ। ସମସ୍ତ ତଥ୍ୟ ଜଣାଇଥିଲେ। ଏହାପରେ ବାମଦେବ କାଶୀପୁରର ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଥିଲା। ସାମ୍ବାଦିକ ଶ୍ରୀ ମଣ୍ଡଳ ମୁମ୍ବାଇର ଉକ୍ତ ଫାଉଣ୍ଡେସନ ଏବଂ ବାମଦେବଙ୍କ ପରିବାର ମଧ୍ୟରେ ଭିଡ଼ିଓ କଲ୍‌ରେ ସଂଯୋଗ ସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ। ଚିହ୍ନା ପରିଚୟ ପରେ ସମ୍ପୃକ୍ତ ସଂସ୍ଥା କର୍ମକର୍ତ୍ତା ବାମଦେବଙ୍କୁ ଟ୍ରେନରେ ମୁମ୍ବାଇରୁ କାଶୀପୁର ଅଣିଥିଲେ। ଘରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ଆଖିରେ ଆନନ୍ଦର ଅଶ୍ରୁ ବହିଯାଇଥିଲା। ସମସ୍ତଙ୍କୁ ପରିବାର ସଦସ୍ୟ କୃତଜ୍ଞତା ଜଣାଇଥିଲେ। ଔଷଧ ସେବନ, ମାନସିକ ରୋଗୀଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ବାବଦରେ ଫାଉଣ୍ଡେସନ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ବୁଝାଇଥିଲେ। ଏମିତିକି ଆଗକୁ ସମସ୍ତ ଔଷଧ ଯୋଗାଇ ଦିଆଯିବ ବୋଲି ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଥିଲେ।

महाराष्ट्र शासन

कार्यालय - बाल कल्याण समिती, नांदेड

कमला नेहरु कन्या शाळेसमोर, श्रध्दा कॉलनी, छत्रपती चौक, नांदेड-४३१६०५.
Email Id-cwcnanded@gmail.com Mo.No.७०२०९२२३४२/९९२२०३१०००/८८८८१५६२५८/९४०३७४४७१५/८८८८५७८९६१/८८०५८५०४१०

जा.क्र./बा.क.स.नां/ 1513 २०२५-२६ दिनांक 22/07/2025

(कृतज्ञता पत्र)

प्रति,
आदरनीय डॉ. भरत वाटवानी सर,
संस्थापक विश्वस्त,
(यांना २०१८ सालचा रेमोन मॅगसेसे पुरस्काराने विभूषीत केले)
श्रध्दा रिहॅबिलीटेशन फाऊंडेशन,
श्रध्दा, वेणगाव दहिवलीच्या नंतर,
कर्जत (पुर्व) जिल्हा रायगड - महाराष्ट्र.

आदरनीय डॉ. भरत वाटवानी सर सादर प्रणाम !

हमारे नांदेड में एक महिला उसके दो बेटीया समेत बिहार से गलत ट्रेन मे बैठने की वजह से नांदेड पहुच गयी, इस वजह से उसे दिमाग पर गहरा प्रभाव हुआ, उसकी एक बीटीया उन्ही के साथ और दुसरी पुलीस को दुसरी जगह मिली हमारे पास पुलीस व्दारा महिलाको एवमं उसके बेटीयो को दिनांक १९.०८.२०२४ लाने पर महिला की दिमागी हालात ठिक नही होणे की वजह से सिवील हॉस्पीटल मे भर्ती कराया गया, उनके दोनो बेटीयो की हमारे व्दारा बालगृह मे प्रवेशित किया गया!

महिला को और उपचार की जरुरत होनी की वजह से न्यायालयीन आदेश प्राप्त कर दिनांक ११.०९.२०२४ येरवडा पुणे मे प्रादेशीक मनोरुग्णालय मे भर्ती कराया गया हम येरवडा मनोरुग्णालय के अधिक्षक मॅडम से समय समय पर महिला की उपचार संबधी जानकरी लेते रहे!

येरवडा मनोरुग्णालय के डॉक्टरोने उसे आगे मानसीक उपचार की जरुरत के लिए आपके पास भेजने की बात कही, और आपके यहा दिनांक ०२.०५.२०२५ को भेजा, आपने इस महिला का मानसीक उपचार करने के पश्चात महिलासे बातचीत कर उसके परिवार का पत्ता लगाया, बिहार के छोटो से गाव जाकर महिला एवमं उनके बेटीयोसे संबंधीत पुरा रेकार्ड प्राप्त कर हमसे संपर्क कर दिनांक ०९/०७/२०२५ को हमारे समक्ष इस महिला एवमं उसके पती को लाया गया, हमने महिला एवंम उसके पती से बात कर, सभी दस्ताएवंजो की छानबीन कर इस महिला एवम उसके पती को उनके दोनो बच्चो सौपने के लिए बालगृह को आदेशीत किया!

आपके फाऊडेशन के डॉ. प्रथमेश नेमानानी एवमं एक महिला कर्मचारी निलम राणा सिरसाट ने उन्हे बालगृह से उनके बेटीयो को लेने के लिए गाडी की व्यवस्था की उसके पश्चात महिला व उसके पतीव्दारा बेटीयो बालगृहसे लेने के उपरान्त उन्हे बिहार तक उनके गांव भेजने के लिए पुरी व्यवस्था एवंम पैसे भी आपके व्दारा दि गये!

इस तरह आपने एक परीवार जो बिखर चुका था उसे फिर से एक जगह लाने मे जो योगदान दिया वह सिर्फ प्रशंसा के पात्र नही बल्की हमने आपके इस कार्य का किस तरह धन्यवाद व्यक्त करना यह प्रश्न हमारे सामने है!

डॉ. प्रथमेश हेमनानी हमसे मिलने पर हमने उन्हे कहा की आपका कार्य बहोत ही उल्लेखनीय है हम आपको प्रशंसा पत्र देगे पर जब आपके कार्या की विस्तृत जानकरी प्राप्त की तो ऐसे लगा की आपका कार्य प्रशंसा के परे है और हमने आपको प्रशंसा पत्र देना यह हक्क हमे नही बनता इसलीए हमने आपका धन्यवाद व्यक्त करने के लिए यह कृतज्ञता पत्र भेज रहे है!

हमने, बहोत NGO देखे है उसमे कुछ अच्छा कार्य करते है कुछ का सभी को पता है पर आप जैसे दिल से सच्चा कार्य करने वाले बहोत कम है! आप जैसे सच्चे लोगो की समाज को आवश्यकता, आपका कार्य सराहनीय से परे है इसलिए हम आपके कार्य के लिए कृतज्ञना व्यक्त करते है !

धन्यवाद !

आपका सेवक

डॉ. राजवंतसिंघ कदम्ब,
(अध्यक्ष),
बाल कल्याण समिती, नांदेड
(मो.न. ७०२०९२२३४२)

अध्यक्ष
बाल कल्याण समीती
नांदेड

PHOTO OF THE SIGNING OF THE MOU WITH MANAVSEWA ASHRAM, NEPAL IN THE PRESENCE OF THE CONSUL GENERAL OF INDIA, SHRI DEVI SAHAI MEENA